

संक्षिप्त खबरें

विधायक राज सिन्हा ने बैंक मोड़ में किया कान्हा ज्वेलर्स का उद्घाटन



नए प्रतिष्ठान से स्थानीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा, विधायक ने संचालक को दी शुभकामनाएं

टूथ पथ प्रतिनिधि धनबाद:धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने बैंक मोड़ स्थित कान्हा ज्वेलर्स प्लेस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक को बधाई देते हुए व्यवसाय की निरंतर प्रगति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उद्घाटन समारोह के दौरान विधायक राज सिन्हा ने कहा कि किसी भी नए प्रतिष्ठान की शुरुआत स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को गति देने और क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। नए व्यवसाय खुलने से बाजार में गतिविधियां बढ़ती हैं और स्थानीय व्यापारिक माहौल को मजबूती मिलती है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि कान्हा ज्वेलर्स अपनी गुणवत्ता, विश्वसनीयता और बेहतर ग्राहक सेवा के माध्यम से ग्राहकों का विश्वास हासिल करेगा। उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यवसाय निरंतर उन्नति करे और अपनी अलग पहचान स्थापित करे। कार्यक्रम के दौरान नए प्रतिष्ठान की सफलता और भविष्य में विस्तार की कामना की गई। बैंक मोड़ जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र में नए प्रतिष्ठान की शुरुआत को स्थानीय व्यापार जगत के लिए उत्साहजनक कदम माना जा रहा है।

मोरहाबादी में नगर निगम की कार्रवाई, 15 भवनों को नोटिस



स्वीकृत नक्शे से अलग निर्माण और आवासीय भवनों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर सख्ती, तीन दिन में दस्तावेज जमा करने का निर्देश

टूथ पथ प्रतिनिधि रांची : राजधानी के मोरहाबादी क्षेत्र में भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन और आवासीय परिसरों के व्यावसायिक उपयोग के मामलों पर रांची नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। निगम की टीम ने रजिस्ट्री ऑफिस से मान्य पैलेस तक विभिन्न भवनों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अनियमितताएं सामने आने पर 15 भवनों एवं प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया।

झारखंड भवन उपविधि के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम की टीम ने क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान भवनों के स्वीकृत नक्शे, वास्तविक निर्माण और उनके उपयोग की स्थिति का मिलान किया गया। जांच में स्वीकृत नक्शे से विचलन और आवासीय भवनों का बिना अनुमति व्यावसायिक इस्तेमाल किए जाने से संबंधित मामले सामने आए।

नगर निगम ने नोटिस प्राप्त करने वाले भवन मालिकों और प्रतिष्ठान संचालकों को तीन दिनों के भीतर स्वीकृत भवन प्लान तथा अन्य संबंधित वैधानिक दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है। निर्धारित समय सीमा में आवश्यक कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निगम ने स्पष्ट किया है कि नियमों का पालन नहीं करने वाले भवनों को सील करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

नगर निगम ने भवन मालिकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों से अपील की है कि वे स्वीकृत नक्शे के अनुरूप ही निर्माण कराएं और भवन का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुसार करें। निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य भवन निर्माण संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना और शहर में व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देना है।

पंचायत चुनाव की तैयारी तेज करेगी कांग्रेस, सभी जिलों में लगेेंगे सर्वोदय संकल्प शिविर

टूथ पथ प्रतिनिधि रांची : आगामी पंचायत चुनावों को देखते हुए झारखंड कांग्रेस ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत चुनाव की रणनीति, जिला से पंचायत स्तर तक संगठन की सक्रियता बढ़ाने और राज्य के सभी जिलों में ह्रस्वबोदय संकल्पह् शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित ह्त्वोट बचाओह् अभियान और रैली में झारखंड के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश सह-प्रभारी भूपेंद्र मरावी और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की झारखंड प्रभारी अशिका कुजूर मौजूद रहैं।

पंचायत स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए पंचायत स्तर पर संगठन की सक्रिय भूमिका जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी पंचायत चुनावों को ध्यान में रखते हुए अभी से संगठनात्मक तैयारियां शुरू करने पर बल दिया।

प्रदेश सह-प्रभारी भूपेंद्र मरावी ने संगठन की एकजुटता और आम जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखने की महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं से जुड़ाव और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय से संगठन को मजबूती मिलती है।

प्रदेश संयोजक शांतनु मिश्रा ने सर्वोदय संकल्प शिविरों को संगठन के विस्तार और कार्यकर्ताओं की सक्रिय करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से स्थानीय समस्याओं की समझने, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और पंचायत स्तर पर संगठन की गतिविधियों को गति देने में मदद मिलेगी।

बरारी छाताधौड़ा के पास ओबी डंप करने जा रही होलपैक पलटी, चालक गंभीर

ब्रेक फेल होने से हादसे की आशंका, डोजर की मदद से हटाया गया क्षतिग्रस्त वाहन

टूथ पथ प्रतिनिधि जोड़ापोखर । बरारी छाताधौड़ा के समीप बुधवार को एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग की 73 नंबर होलपैक गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आउटसोर्सिंग कर्मियों ने घायल चालक को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय नर्सिंग होम पहुंचाया। उर-ाकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। कर्मियों के अनुसार, चालक की हालत गंभीर बनी हुई है।

ब्रेक फेल होने से हुआ हादसा जानकारी के अनुसार, होलपैक गाड़ी ओवरबर्डन (ओबी) डंप करने के लिए जा रही थी। इसी दौरान अचानक ब्रेक फेल होने से वाहन पीछे की ओर ढलने लगा।



बताया जाता है कि पिछले पहिये में पत्थर फंस जाने के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में होलपैक को भी काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि, दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रबंधन ने डोजर से हटवाया वाहन घटना की सूचना मिलने के बाद

भाजपा के अभियान पर कांग्रेस का सवाल, राकेश सिन्हा बोले-मताधिकार के मुद्दों पर दे जवाब

लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र भगाओह् अभियान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज, चुनावी पारदर्शिता और जवाबदेही पर उठाए सवाल

टूथ पथ प्रतिनिधि रांची । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा के प्रस्तावित ह्त्वोलोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र भगाओह् अभियान पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा का उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करना है या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर उठ रहे सवालों से ध्यान हटाना है।

राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा 2 नवंबर को लोकतंत्र की रक्षा के नारे के साथ सड़क पर उतरने की तैयारी कर रही है, लेकिन उसे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवालों पर भी अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का तथ्यात्मक जवाब देने के बजाय राजनीतिक नारों का सहारा लिया जा रहा है।

मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया पर जवाब मांगा कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना नागरिकों और विपक्ष का अधिकार है। मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और मताधिकार की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संवैधानिक पद या संस्था को सवालों से परे नहीं माना जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही का विशेष महत्व है।

लोकतंत्र केवल नारों से मजबूत नहीं होता

राकेश सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र किसी राजनीतिक दल को निजी संपत्ति नहीं है। इसे मजबूत बनाने के लिए जनता की आवाज सुनना, उठाई गई आपत्तियों पर विचार करना और जरूरी सवालों का जवाब देना आवश्यक है। उनके मुताबिक, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा केवल राजनीतिक अभियानों और प्रदर्शनों से नहीं, बल्कि संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने से होती है।

भाजपा की प्राथमिकताओं पर उठाया सवाल कांग्रेस मीडिया प्रभारी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि उसकी प्राथमिकता मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती है या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का बचाव करना। उन्होंने कहा कि मताधिकार से जुड़े सवालों का समाधान नरेंद्रबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी प्रक्रिया, निष्पक्ष जांच और जवाबदेही से होना चाहिए।

आरसीएमएस की 75वीं वर्षगांठ पर जियलगोरा में जुटे कोयला मजदूर, एकजुटता का लिया संकल्प

प्लैटिनम जुबली समारोह में श्रमिक हितों और खदानों की सुरक्षा का मुद्दा उठा, लालन चौबे ने प्रबंधन पर लगाए शोषण के आरोप

टूथ पथ प्रतिनिधि जोड़ापोखर । राष्ट्रीय कोयलरों मजदूर संघ (आरसीएमएस) के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को जियलगोरा अतिथि गृह में भव्य प्लैटिनम जुबली समारोह आयोजित किया गया। जियलगोरा में पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में कोयला उद्योग से जुड़े श्रमिकों, नेताओं और समर्थकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह के माध्यम से मजदूरों की एकता, उनके अधिकारों की रक्षा और कोयला खदानों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय सचिव धर्मेन्द्र सिंह और केंद्रीय नेता राजीव रंजन चौबे की देखरेख में हुआ। संघ के महामंत्री एवं मुख्य अतिथि लालन चौबे सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष एल.एन. भट्टाचार्य ने की, जबकि मंच संचालन डी.एन. सिंह ने किया। समाारोह में बीसीसीएल, ईसीएल, सीसीएल और एनसीएल से आए सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए।

मजदूरों के शोषण और कोयला संरक्षण पर उठे सवाल



मुख्य अतिथि लालन चौबे ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि वर्तमान समय में प्रबंधन की नीतियों के कारण मजदूरों का शोषण हो रहा है और राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने दावा किया कि ओवरबर्डन हटाने के नाम पर लगभग 60 प्रतिशत कोयला जमीन में ही दबा रह जाता है। उन्होंने कोयला खदानों के संरक्षण पर चिंता जताते हुए कहा कि इनके भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है।

लालन चौबे ने संघ के सदस्यों से एकजुट रहने और श्रमिक हितों की रक्षा के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने आरसीएमएस के इतिहास

का उल्लेख करते हुए बताया कि आजादी से पहले कोयला मजदूरों की दयनीय स्थिति को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने अब्दुल बारी को संगठन बनाने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद रामनारायण शर्मा को संघ के गठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने कहा कि आज आरसीएमएस की पहचान देश के साथ विदेशों में भी है।

नए श्रम कानूनों पर जताई चिंता समारोह की अध्यक्षता कर रहे एल.एन. भट्टाचार्य ने कहा कि नए श्रम कानूनों के कारण ट्रेड यूनियनों की भूमिका और श्रमिकों के मुद्दों को प्रभावित ढंग से उठाने की क्षमता प्रभावित हुई है। मजदूरों की समस्याओं को प्रबंधन के सामने

नए श्रम कानूनों पर जताई चिंता समारोह की अध्यक्षता कर रहे एल.एन. भट्टाचार्य ने कहा कि नए श्रम कानूनों के कारण ट्रेड यूनियनों की भूमिका और श्रमिकों के मुद्दों को प्रभावित ढंग से उठाने की क्षमता प्रभावित हुई है। मजदूरों की समस्याओं को प्रबंधन के सामने

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि ओबी डंप करने की जल्दबाजी में होलपैक चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हैं, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क पार करने के लिए उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। क्षेत्र में कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं होने से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने भारी वाहनों के परिचालन में स-ुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है।

पुलिस को नहीं मिली थी सूचना इस संबंध में जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी लेकर आवश्यक का-

र्रवाई की जाएगी।

राजा तालाब में गंगा आरती और दीपोत्सव की तैयारी तेज, विधायक रागिनी सिंह ने सौंपी जिम्मेदारियां



निर्धारित समय पर तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।

अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मिली जिम्मेदारी

बैठक में के.डी. पांडेय, प्रदीप सिन्हा, मुद्रिका पासवान, अखिलेश सिंह, उमेश यादव, स्वरूप भट्टाचार्य, अभिषेक पांडेय और दिलीप भारती सहित भाजपा के विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता तथा जनता श्रमिक संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक रागिनी सिंह ने वरिष्ठ और कनिष्ठ पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर आयोजन से जुड़े कार्यों का दायित्व सौंपा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के

रांची एयरपोर्ट पर बढ़ेगी यात्री सुविधाएं, एयरोब्रिज की संख्या बढ़ाने की तैयारी पांच वर्षों में यात्रियों की संख्या में 59 प्रतिशत का इजाफा, टर्मिनल विस्तार और दो अति-रक्त एप्रन बनाने की भी योजना

टूथ पथ प्रतिनिधि रांची । रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हवाई यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुविधाओं के विस्तार की तैयारी की जा रही है। पिछले पांच वर्षों में एयरपोर्ट से आवागमन करने वाले यात्रियों की संख्या करीब 17 लाख से बढ़कर 27 लाख से अधिक हो गई है। इस अवधि में यात्रियों की संख्या में लगभग 59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बढ़ते यात्री दबाव को देखते हुए एयरपोर्ट पर एयरोब्रिज की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई गई है।एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार के अनुसार, वर्तमान में एयरपोर्ट पर चार एयरोब्रिज उपलब्ध हैं। इनकी संख्या बढ़ने से यात्रियों को विमान में चढ़ने और उतरने में अधिक सुविधा मिलेगी। इससे व्यस्त समय में यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित करने और टर्मिनल से विमान तक पहुंचने की प्रक्रिया को सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

एयरोब्रिज एक विशेष गलियारा होता है, जो एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन को सीधे विमान के दरवाजे से जोड़ता है। इसके माध्यम से यात्रियों को विमान में प्रवेश करने या बाहर निकलने के लिए खुले क्षेत्र से होकर नहीं गुजरना पड़ता। एयरोब्रिज की संख्या बढ़ने पर एक ही समय में अधिक विमानों तक यात्रियों की पहुंच आसान हो सकती है। इससे यात्रियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सुविधा मिलेगी।

बढ़ते हवाई यातायात को ध्यान में रखते हुए रांची एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन के विस्तार की भी योजना है। इसके अतिरिक्त विमानों की पार्किंग के लिए दो नए एप्रन बनाए जाने हैं। एप्रन वह स्थान होता है, जहां विमानों को खड़ा किया जाता है और उनसे जुड़ी विभिन्न गतिविधियां संचालित होती हैं।

राजा तालाब में गंगा आरती और दीपोत्सव की तैयारी तेज, विधायक रागिनी सिंह ने सौंपी जिम्मेदारियां



लिए सभी को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर निगम की योजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर होगा आयोजन

बताया गया कि रविवार, 1 नवंबर 2026 को शाम 5 बजे राजा तालाब में गंगा आरती और दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम धनबाद नगर निगम द्वारा कराए गए सौंदर्यीकरण कार्य और नियमित जलापूर्ति के लिए निर्मित एसटीपी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित होगा। इसके लिए तालाब परिसर में आकर्षक रोशनी और विशेष सजावट की व्यवस्था की जा

रही है।

राजा तालाब झरिया की सांस्कृतिक पहचान : रागिनी सिंह विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि राजा तालाब झरिया की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आयोजन का उद्देश्य इस पहचान को और मजबूत करना तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है। विधायक ने झरिया और आसपास के क्षेत्रों के लोगों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर गंगा आरती एवं दीपोत्सव को सफल बनाने की अपील की।

एटीएम में कार्ड फंसाकर करते थे ठगी, बिहार के दो शातिर युवक गिरफ्तार



धनबाद में 15 हजार रुपये निकाले, ज्वेलरी और जूते-चप्पल की दुकानों से भी की खरीदारी; तीन जोड़ी चप्पल बरामद

टूथ पथ प्रतिनिधि धनबाद । एटीएम मशीन में कार्ड फंसने की स्थिति का फायदा उठाकर लोगों के बैंक खातों से रुपये निकालने और खरीदारी करने के आरोप में धनबाद पुलिस ने बिहार के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवादा जिले के लखमोहना निवासी नितीश कुमार और न्यू एरिया निवासी सौरभ कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों कथित तौर पर एटीएम में मदद करने के बहाने लोगों का गोपनीय पिन हासिल करते थे और फिर उनके कार्ड का इस्तेमाल कर रुपये निकालते तथा खरीदारी करते थे।

घटना 27 अक्टूबर की शाम की है। शहर के सीटी सेंटर के पास स्थित एक एटीएम में ठगी की आशंका होने पर स्थानीय लोगों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया। सूचना मिलने पर धनबाद थाना की गश्ती पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर पृष्ठाछाड़ के लिए थाने ले गई।

मदद के बहाने देखा गोपनीय पिन शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से रुपये निकालने गया था। इसी दौरान उसका कार्ड मशीन में फंस गया। पीछे खड़े एक युवक ने मदद करने के बहाने उसे पिन डालने को कहा और गोपनीय पिन देख लिया। इसके बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता को हेल्लोलाइन नंबर पर संपर्क करने की सलाह दी। उसे पेट्रोल पंप के पास भेजने के बाद आरोपी कथित तौर पर उसका एटीएम कार्ड लेकर वहां से निकल गए।

टूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से

मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर वी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593



संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने किया सम्मानित



केरल में आयोजित प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन, विभिन्न वर्गों में जीते स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

दृथ पथ प्रतिनिधि
धनबाद: केरल में आयोजित 10वीं राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में शेखर रेस्ट हाउस में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को पिकलबॉल के जुते और पौधे भेंट कर सम्मानित किया तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

समारोह में झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रभात कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बी. सुधीर के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव गौरव कुमार, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी और उनके अभिभावक भी मौजूद रहे।

केरल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया। पदक विजेताओं में दीपक कुमार ने 19 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की ओपन पुरुष एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, दीपक पासवान और सोनू विश्वकर्मा की जोड़ी ने ओपन पुरुष युगल वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया इसके अलावा आदित्य प्रजापति और जिगर विश्वकर्मा ने अंडर-18 पुरुष युगल स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। सत्यम और रबिउल ने अंडर-14 वर्ग में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और उपलब्धियां अन्य युवाओं को भी खेलों के प्रति प्रेरित करती हैं। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन और उचित अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है।

झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रभात कुमार ने राज्य में इस खेल के विस्तार और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सदर अस्पताल के बाहर अवैध पार्किंग पर प्रशासन सख्त, 10 वाहन जब्त



डीसी आदित्य रंजन और ग्रामीण एसपी प्रमात कुमार के निर्देश पर कार्टवाई, वाहन मालिकों पर लगाया गया जुमाना

दृथ पथ प्रतिनिधि
धनबाद: सदर अस्पताल परिसर और मुख्य मार्ग पर बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। अस्पताल के औचक निरीक्षण के दौरान डीसी आदित्य रंजन और ग्रामीण एसपी प्रभात कुमार ने पाया कि कई लोग निर्धारित पार्किंग स्थल के बजाय मुख्य प्रवेश मार्ग पर ही वाहन खड़े कर रहे थे। इससे अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों और आम नागरिकों को परेशानी हो रही थी।

मुख्य मार्ग बाधित होने के कारण एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं के आवागमन में भी गंभीर दिक्कतें उत्पन्न हो रही थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीसी और ग्रामीण एसपी ने मौके पर मौजूद ट्रैफिक डीएसपी को तत्काल अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

अधिकारियों के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने अस्पताल क्षेत्र में सघन अभियान चलाया। इस दौरान सड़क पर अवैध रूप से खड़े कुल 10 वाहनों को क्रैन की मदद से जलत किया गया। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ नियमानुसार चालान काटकर जुमाना लगाया गया।

डीसी आदित्य रंजन ने स्पष्ट किया कि सदर अस्पताल एक संवेदनशील स्वास्थ्य केंद्र है, जहां मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। एंबुलेंस और गंभीर मरीजों के आवागमन में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करने की अपील की।

दुदा, कतरास में बीसीसीएल का स्वच्छता अभियान, धार्मिक स्थलों और कॉलोनी में हुई सफाई

दृथ पथ प्रतिनिधि
धनबाद। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की ओर से बुधवार को दुदा पहाड़ी मंदिर, गुरुद्वारा तथा कतरास क्षेत्र की अंगारपथरा कॉलोनी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान धार्मिक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई तथा एकत्रित कचरे का उचित निस्तारण किया गया।

अभियान का उद्देश्य धार्मिक स्थलों की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के साथ-साथ लोगों को स्वच्छ वातावरण के प्रति जागरूक करना था। अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने की प्रतिबद्धता जताई।

स्वच्छता अभियान के तहत अंगारपथरा कॉलोनी परिसर में व्यापक साफ-सफाई की गई। विभिन्न स्थानों पर जमा कचरे को एकत्रित कर उसका उचित तरीके से निस्तारण किया गया। अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और कचरे को निर्धारित स्थानों पर ही डालने के लिए प्रेरित किया गया।

बीसीसीएल के अन्य क्षेत्रों और इकाइयों में भी स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, पर्वावरण संरक्षण, ई-वेस्ट प्रबंधन तथा साफ-सफाई से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन पहलों का उद्देश्य धार्मिक स्थलों, आवासीय परिसरों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाए रखना है।

धनबाद

सदर अस्पताल को मिलेगी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात, मॉड्यूलर ओटी और आईसीयू जल्द होंगे तैयार



डीसी आदित्य रंजन ने किया औचक निरीक्षण, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देश

दृथ पथ प्रतिनिधि
धनबाद: धनबाद के सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। अस्पताल में अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) और ईटीग्रेटेड इंटेसिव केयर यूनिट (आईसीयू) तैयार किए जा रहे हैं। इन सुविधाओं के शुरू होने से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों,

निर्माणाधीन भवनों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया।

उपायुक्त ने बताया कि राज्य सरकार ने अस्पताल के ऊपरी तल के निर्माण और परिसर में चहार-दीवारी बनाने की योजना को स्वीकृति प्रदान की है। चहारदीवारी नहीं होने के कारण पहले अस्पताल परिसर से उपकरणों और अन्य सामानों की चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे अस्पताल की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। चहारदीवारी बनने से प-

रसर की सुरक्षा मजबूत होगी और अस्पताल के विकास कार्यों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जा सकेगा। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर स्पष्ट रुख अस्पताल की जमीन पर अतिक्रमण और प्रस्तावित चहार-दीवारी के दायरे में आने वाले निर्माणों के संबंध में उपायुक्त ने कहा कि सरकारी जमीन का उपयोग जनहित को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। कुछ व्यक्तियों द्वारा जमीन का उपयोग किए जाने की तुलना में अस्पताल के विस्तार और चहारदीवारी निर्माण से जिले के हजारों मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य



सुविधाएं उपलब्ध कराने का व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने अस्पताल के विकास को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मॉड्यूलर ओटी का काम अंतिम चरण में निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्टेट ऑफ द आर्ट मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और ईटीग्रेटेड आईसीयू के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मॉड्यूलर ओटी का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। अगले 10 से 15 दिनों के भीतर इसे हैंडओवर किए जाने की संभावना है। इन

आधुनिक सुविधाओं के शुरू होने से अस्पताल की उपचार क्षमता बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

एएनएम प्रशिक्षण स्कूल की समस्याओं पर भी हुई चर्चा उपायुक्त ने एएनएम स्कूल ऑफ ट्रेनिंग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पेयजल की समुचित व्यवस्था, बेरिंग कराने और कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड लगाने की मांग रखी। संबंधित अधिकारियों ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई कर मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त

कर रहे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

निरीक्षण के दौरान प्रिंसिपल कक्ष की छत की मरम्मत का मामला भी सामने आया। कुछ महीने पहले ही छत का निर्माण कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद पानी टपकने की शिकायत मिल रही थी। इस पर उपायुक्त ने संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई और जल्द से जल्द सुधार कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सनी राज, सिविल सर्जन डॉ. संजीव कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

आईआईटी आईएसएम में सतर्कता जागरूकता को लेकर क्विज प्रतियोगिता आयोजित



ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने पर जोर, 29 अक्टूबर को साइबर सुरक्षा पर होगा प्रशिक्षण

दृथ पथ प्रतिनिधि
धनबाद: सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर आईआईटी आ-ईएसएम धनबाद में बुधवार को सतर्कता से संबंधित विषयों पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। न्यू लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स (एनएलएचसी) के लेक्चर हॉल-07 में आयोजित इस प्रतियोगिता में संस्थान के फैकल्टी सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही की संस्कृति को मजबूत करना तथा कर्मचारियों को सतर्कता संबंधी नियमों एवं प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाना था।

संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) कार्यालय की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हुआ। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को सतर्कता से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जानकारी परखने और उसे बेहतर बनाने का अवसर मिला। इसके माध्यम से सार्वजनिक संस्थानों में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने और भ्रष्टाचार की रोकथाम में प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए पुरस्कारों की व्यवस्था की गई थी।आईआईटी आईएसएम धनबाद में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. चंदन गुड़िया के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहे हैं। सप्ताह की शुरुआत 26 अक्टूबर को संस्थान परिसर के विभिन्न कार्यालयों में सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ हुई थी। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्पक्षता और नैतिक मूल्यों का पालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत 29 अक्टूबर को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), साइबर सुरक्षा और साइबर हाइजीन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे से 6 बजे तक मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंस्ट्रिटल इंजीनियरिंग (एमएसएंडआई) विभाग के मैनेजमेंट हॉल में होगा।



प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। नियमित प्रशिक्षण, अनुशासन और समर्पण के बल पर खिलाड़ी जिला स्तर से आगे बढ़कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं।

एसएसपी ने बढ़ावा खिलाड़ियों का उत्साह वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने भी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने नई खेल सामग्रियों का बेहतर उपयोग करते हुए प्रशिक्षण को और मजबूत बनाने की अपील की। साथ ही आगामी खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अधिकारियों ने भी खिलाड़ियों को

निरंतर मेहनत करने, अनुशासन बनाए रखने और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। जिले की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर जिला प्रशासन की ओर से खेल प्रतिभाओं को आवश्यक संसाधन और बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों के तहत खेल सामग्रियों का लोकार्पण एक महत्वपूर्ण कदम है। एथलेटिक्स और तीरंदाजी जैसे खेलों में पर्याप्त संसाधन मिलने से खिलाड़ियों को अपनी तकनीक सुधारने और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी करने का अवसर मिलेगा। उम्मीद है कि भविष्य में खेल आधारभूत संरचना के विकास और नियमित प्रशिक्षण की सुविधाओं से धनबाद के खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर उपलब्धियां हासिल कर सकेंगे।

बिरसा मुंडा क्लब की शानदार जीत, भित्तिया को 6-0 से हराया

सोहेल अंसारी ने लगाई हैट्रिक, डीसी और एसएसपी ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

दृथ पथ प्रतिनिधि
धनबाद: जिला फुटबॉल लीग के अंतर्गत बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित अभिजीत गांगुली जूनियर फुटबॉल लीग के मुकाबले में बिरसा मुंडा क्लब ने दमदार प्रदर्शन करते हुए एफसीसी भित्तिया को 6-0 से पराजित कर दिया। मैच की शुरुआत से ही बिरसा मुंडा क्लब के खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाया और विपक्षी टीम को संभलने का मौका नहीं दिया। शानदार तालमेल और बेहतरीन खेल के दम पर टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की।

इस मुकाबले के प्रमुख आकर्षण सोहेल अंसारी रहे। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे और अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा विकास मुर्मू, भुनेश्वर मुर्मू और रॉकी मुर्मू ने एक-एक गोल कर टीम की जीत को शानदार बना दिया।

डीसी और एसएसपी ने खिला-



ड़ियों का किया उत्साहवर्धन मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार उपस्थित रहे। उनके साथ अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारगे, उप विकास आयुक्त सनी राज तथा जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा भी मौजूद थे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अभ्यास, अनुशासन और समर्पण बेहद जरूरी है। उन्होंने जिले में फुटबॉल सहित अन्य खेलों को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास जारी रखने का भरपूर दिलाया।

अधिकारियों ने खिलाड़ियों से अपने प्रदर्शन में निरंतर सुधार करने और भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए मेहनत जारी रखने की अपील की।

पांच निर्णायकों ने निभाई अहम भूमिका मैच में जसविंदर सिंह, पूजा कुमार, जैविश्वर टुडू, धनपति पांडे और दिलीप महतो ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मौके पर जिला संयोजक रिकू गुप्ता, रवि लाल हेब्रम, सुजपा ठाकुर सहित जिला फुटबॉल संघ के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे।

महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार और महंगाई के मुद्दों पर पदयात्रा करें मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी: एजाज अहमद

राजद प्रवक्ता ने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग और विपक्ष की आवाज दबाने का लगाया आरोप

पटना, (एजेंसी) : बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पदयात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि मुख्यमंत्री को वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सड़क पर उतरना है, तो उन्हें बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार, महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी तथा युवाओं को नौकरी दिलाने जैसे जनहित के मुद्दों पर पदयात्रा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की सक्रियता ही लोकतंत्र को जीवंत और मजबूत बनाएगी। एजाज अहमद ने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं का राजनीतिक हित में इस्तेमाल करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए दावा किया कि देशभर में बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिससे उनके मतदान के अधिकार पर असर पड़ा। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के कारण लोगों को पेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का समुचित पालन नहीं किया गया। राजद प्रवक्ता ने भाजपा और एनडीए पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था से जनता को निष्पक्षता और पारदर्शिता की अपेक्षा रहती है।

सदन में आवाज नहीं सुनी जाए तो सड़क पर आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार

एजाज अहमद ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों और विपक्ष के प्रति रवैये को लेकर लोगों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि संसद और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में विपक्ष को जनहित के मुद्दे उठाने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया जाता। उन्होंने सामान्य जनता डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब सदन में जनता की आवाज नहीं सुनी जाती, तब सड़क पर उतरकर आंदोलन करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के लिए आंदोलन कर रहा है, लेकिन भाजपा और एनडीए की ओर से ऐसे आंदोलनों को अराजकता बताने का प्रयास किया जा रहा है। एजाज के मुताबिक, लोकतंत्र में सरकार की जिम्मेदारी जनता की आवाज सुनना और उसकी समस्याओं का समाधान करना है।

मोतिहारी में 60 लाख रुपये के वेतन घोटाले का खुलासा, शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप

मोतिहारी, (एजेंसी) : बिहार के मोतिहारी में शिक्षा विभाग में करीब 60 लाख रुपये की सरकारी राशि के कथित गवन का मामला सामने आने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) ने नगर थाने में दो कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपितों में डीपीओ स्थापना कार्यालय में कार्यरत एक कंप्यूटर ऑपरेटर अमन कुमार और कार्यालय में प्रतिनियुक्त एक मदरसा शिक्षक शामिल हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वर्ष 2024 से ही एचआरएमएस (एचआरएमएस) पोर्टल के माध्यम से कथित तौर पर सरकारी राशि का अवैध हस्तांतरण किया जा रहा था। आरोप है कि दोनों कर्मियों ने सरकारी धन को अपने करीबियों के खातों में स्थानांतरित किया। इनमें एक कर्मी पर अपने और अपनी पत्नी के नाम पर, जबकि दूसरे पर अपने और अपनी बहन के नाम पर राशि हस्तांतरित कराने का आरोप है। इस तरह करीब 60 लाख रुपये की अवैध निकासी किए जाने की बात सामने आई है।

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि वर्ष 2024 से ही एचआरएमएस पोर्टल के जरिए कथित वित्तीय अनियमितता की जा रही थी, तो विभागीय अधिकारियों को इसकी जानकारी समय रहते क्यों नहीं मिली? स्थापना कार्यालय में कार्यरत एक कंप्यूटर ऑपरेटर कथित तौर पर लंबे समय तक अपने और परिजनों के खातों में सरकारी राशि स्थानांतरित करता रहा और इसकी भनक संबंधित अधिकारियों को नहीं लगी, यह जांच का अहम विषय है। जब जिला शिक्षा पदाधिकारियों से पूछा गया कि इतने लंबे समय तक कथित फजीवांदा होने के बावजूद डीपीओ स्थापना की भूमिका की जांच हुई है या नहीं, तो उन्होंने इस सवाल पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। फिलहाल प्राथमिकी में दो कर्मियों को आरोपित किए जाने के बाद मामले में अन्य संभावित जिम्मेदार लोगों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, किसी अधिकारी की सलिप्तता अभी साबित नहीं हुई है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भागलपुर जिले में भी एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से वेतन भुगतान में कथित अनियमितता का मामला सामने आया था। वहां फर्जी विशिष्ट शिक्षिका तनुश्री के नाम पर करीब 98.12 लाख रुपये के अवैध वेतन भुगतान का खुलासा हुआ था। इस मामले में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए भागलपुर के जिला शिक्षा पदाधिकारी चंदन कुमार और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) शशि चंदन चौधरी को निलंबित कर दिया था। निलंबन संबंधी आदेश शिक्षा विभाग के निदेशक प्रशासन विजय कुमार पांडे ने जारी किया था। मोतिहारी और भागलपुर में सामने आए इन मामलों ने शिक्षा विभाग की वेतन भुगतान प्रणाली और एचआरएमएस पोर्टल की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच में कथित गवन की पूरी राशि, भुगतान प्रक्रिया में शामिल लोगों और विभागीय स्तर पर संभावित लापरवाही की क्या तस्वीर सामने आती है।

मुंगेर में प्रेम विवाह के तीन मामले चर्चा में, वीडियो जारी कर युवतियों ने कहा- हमें और पतियों को परेशान न करें

मुीर, (एजेंसी) : बिहार के मुीर जिले में प्रेम-प्रसंग के बाद घर छोड़कर शादी करने के तीन मामले सामने आए हैं। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों की तीन युवतियों ने वीडियो जारी कर अपनी मर्जी से शादी करने का दावा किया है। वीडियो के माध्यम से उन्होंने अपने परिजनों से अपील की है कि वे उनके फैसले का सम्मान करें और उन्हें तथा उनके पतियों को परेशान न करें। इन वीडियो के सामने आने के बाद जिले में प्रेम विवाह और युवाओं के अपने जीवनसाथी चुनने के फैसले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, तीनों मामलों में युवतियों की उम्र, शादी और परिस्थितियों से जुड़े तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। जानकारी के अनुसार, मुीर में सामने आए इन तीन मामलों में बरियारपुर थाना क्षेत्र की प्रीति, मुीर की शिवानी और हरिणमार थाना क्षेत्र के झौआबिहार की मधु के नाम सामने आए हैं। वीडियो में तीनों युवतियों ने अपनी मर्जी से घर छोड़ने और पसंद के युवक से शादी करने की बात कही है। युवतियों ने अपने परिजनों से अपील की है कि वे उनके फैसले में हस्तक्षेप न करें और उनके पतियों को भी परेशान न करें। उन्होंने अपनी तलाश में प्रयास नहीं करने की बात भी कही है। इन वीडियो के सामने आने के बाद संबंधित परिवारों की स्थिति और युवतियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। प्रेम विवाह से जुड़े इन मामलों ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। परिवारों के लिए बच्चों के अचानक घर छोड़ने और अपनी पसंद से शादी करने जैसी परिस्थितियां भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं। वहीं, युवाओं के लिए भी जीवनसाथी चुनने का फैसला उनके भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम होता है। ऐसे मामलों में परिवार और युवाओं के बीच संवाद बनाए रखना जरूरी है। साथ ही, किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले संबंधित व्यक्तियों की बात सुनना और मामले की वास्तविक परिस्थितियों को समझना भी महत्वपूर्ण है।

बिहार

निशांत के नेतृत्व व नीतीश कुमार के आशीर्वाद ने नीरज को दिलाई जीत : अफाक खान

नीतीश कुमार के आह्वान को मतदाताओं ने किया आत्मसात, पार्टी में खुशी का माहौल

गया जी (एजेंसी) : एमएलसी पद पर नीरज कुमार की जीत को लेकर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। इस जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव विधान पार्षद अफाक अहमद खान ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार के आशीर्वाद और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के नेतृत्व ने नीरज कुमार को विजयी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह जीत पार्टी के नेतृत्व, संगठन की मजबूती



और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।अफाक अहमद खान ने कहा कि नीतीश कुमार ने मतदाताओं से जो आह्वान किया था उसे लोगों ने आत्मसात करते हुए अपना समर्थन दिया। मतदाताओं के विश्वास और समर्थन ने नीरज की जीत का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का यह समर्थन पार्टी

की नीतियों और नेतृत्व के प्रति भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार के नेतृत्व में बिहार में यह पहली जीत है जो पार्टी संगठन के लिए उत्साहजनक है। इस जीत से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है और आने वाले समय में संगठन को और मजबूत करने की प्रेरणा मिलेगी। पार्टी के

36 घंटे में मुख्यालय वापसी, जोखिम भत्ता और उचित विश्राम की उठी मांग

गया जंक्शन की कू लॉबी के समक्ष लोको रनिंग स्टाफ का प्रदर्शन, लंबित मांगों पर एकजुट हुए रेलकर्मी

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर लोको रनिंग स्टाफ की लंबित मांगों को लेकर ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन की गया शाखा ने आवाज बुलंद की है। एसोसिएशन की बैठक में रेलकर्मियों ने सुरक्षित ट्रेन परिचालन, निर्धारित विश्राम और कार्य परिस्थितियों में सुधार की मांग उठाई। बैठक में भी रेलकर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में एकजुटता का संकल्प



लिया। एसोसिएशन की ओर से मुख्य रूप से 36 घंटे के भीतर मुख्यालय वापसी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही जोखिम भत्ता, पर्याप्त विश्राम और रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप सुरक्षित कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराने का जोर दिया गया। रेलकर्मियों का

धनबाद, गुरूवार 29 अक्टूबर 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

05

बिहार कैबिनेट की बैठक में 43 प्रस्तावों को मंजूरी, पटना में भूमिगत सड़क कॉरिडोर की संभावनाओं का होगा अध्ययन

पटना, 28 अक्टूबर (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार शाम हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 43 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें पटना में भूमिगत सड़क कॉरिडोर की संभावनाओं का अध्ययन, सोनपुर आयोजना क्षेत्र का विस्तार, बिहार एमएसएमई नीति 2026, औद्योगिक निवेश और बिजली विभाग की योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं।मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव अरविंद चौधरी ने बताया कि पटना में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से भूमिगत सड़क कॉरिडोर विकसित करने की संभावनाओं का अध्ययन कराया जाएगा। इसके तहत आर ब्लॉक चौघहे से कंकड़बाग और डाकबंगला चौघहे से पटना वॉमस कॉलेज सहित शहर के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों को भूमिगत मार्गों से जोड़ने की व्यावहारिकता का आकलन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल केवल संभाव्यता अध्ययन को मंजूरी दी गई है। भूमिगत सड़क कॉरिडोर के निर्माण की स्वीकृति अभी नहीं दी गई है।अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सोनपुर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टउनशिप, अंतरराष्ट्रीय ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, फिल्म सिटी, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य विकास परियोजनाओं को ध्यान में रखते हुए सोनपुर आयोजना क्षेत्र के विस्तार को स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टउनशिप क्षेत्र में भूमि की खरीद-बिक्री और हस्तांतरण पर लगे प्रतिबंध को हटाने का निर्णय लिया गया है।अरविंद चौधरी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने हाफ करोड़ उद्यमी परिवार, सशक्त बिहार का आधारकू के उद्देश्य से बिहार एमएसएमई नीति 2026 को मंजूरी दी है। इस नीति के तहत अगले पांच वर्षों में एक करोड़ परिवारों को उद्यमी बनाने और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से एक करोड़ रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा राज्य के साख-जमा अनुपात को 75 प्रतिशत तक पहुंचाने, प्रत्येक जिले में कम से कम एक औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने और सभी 38 जिलों में एमएसएमई केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।कैबिनेट ने गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर में ग्रीन बेस्ट एथेनॉल उत्पादन इकाई की स्थापना के लिए 97 करोड़ 80 लाख 18 हजार रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस इकाई की स्थापना से 210 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

36 घंटे में मुख्यालय वापसी, जोखिम भत्ता और उचित विश्राम की उठी मांग

रक्षा उपकरणों के उपयोग, रखरखाव तथा उनसे संबंधित जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने की मांग उठाई गई। सहायक लोको पायलट पर अतिरिक्त कार्यभार कम करने और उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करने पर भी जोर दिया गया।

निर्धारित विश्राम और सुरक्षा पर जोर

एसोसिएशन ने कहा कि लोको रनिंग स्टाफ को पर्याप्त विश्राम और सुरक्षित कार्य वातावरण मिलना चाि-हिए। लगातार इ्यूटी के दबाव और लंबित समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना जरूरी है। गया शाखा ने रेल प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाने की अपील की। बैठक में कर्मचारियों ने अपने अधिकारों और सुरक्षित रेल परिचालन के लिए संगठित होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

बिहार में एमएलसी चुनाव में भाजपा का रहा बेहतर प्रदर्शन

जदयू एक,राजद एक, जन सुराज एक, निर्दलीय दो पर जमाया कब्जा

बिहार : बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के चुनाव परिणाम में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि जदयू और राजद को एक-एक सीट मिली। जन सुराज ने भी एक सीट पर कब्जा जमाया, वहीं दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। भाजपा ने दरभंगा स्नातक, तिरहुत शिक्षक और कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की। जदयू के नीरज कुमार पटना स्नातक सीट से और राजद के डॉ. संजीव कुमार पटना शिक्षक सीट से विजयी हुये। दरभंगा शिक्षक सीट पर जन सुराज के सुरेश राय ने जीत दर्ज की। वहीं, तिरहुत स्नातक सीट से निर्दलीय बंशीधर बृजवासी और सारण शिक्षक सीट से निर्दलीय राहुल राज विजयी रहे

विजयी उम्मीदवारों की पूरी सूची पटना शिक्षक: डॉ. संजीव कुमार (राजद) पटना स्नातक: नीरज कुमार (जदयू) दरभंगा शिक्षक: सुरेश राय (जन सुराज) दरभंगा स्नातक: सर्वेश कुमार (भाजपा) तिरहुत शिक्षक: डॉ. नरेंद्र सिंह (भाजपा) तिरहुत स्नातक: बंशीधर बृजवासी (निर्दलीय) सारण शिक्षक: राहुल राज (निर्दलीय) कोसी स्नातक: एनके यादव (भाजपा)

कार्यशाला:सड़क दुर्घटना में घायलों को मिलेगा 1.50 लाख तक कैशलेस इलाज



कैशलेस इलाज और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में सिविल सर्जन, ड-िएसपी, एडीटीओ, आयुष्मान योजना के प्रतिनिधि, अस्पताल के प्रतिनिधि तथा गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य शामिल हुए। प्रतिभागियों को योजना के

कराने का प्रावधान है। दुर्घटना के बाद पहला एक घंटा यानी गोल्डन आवर बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान उचित चिकित्सा मिलने से घायल व्यक्ति की जान बचने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए घायलों को बिना देरी किए उपयुक्त अस्पताल पहुंचाने और इलाज शुरू करने पर विशेष बल दिया गया।कार्यशाला में अस्पतालों की ओर से टीएमएस 2.0 पोर्टल पर पीड़ित का विवरण दर्ज करने तथा पुलिस की ओर से आईएच/इंडा प्रणाली के माध्यम से दुर्घटना और पीड़ित का सत्यापन करने की तकनीकी प्रक्रिया भी समझाई गई। अधिकारियों ने योजना का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए विभागों और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने की आवश्यकता बताई।

बलोचिस्तान के दलबंदिन में धमाका, पूर्व अफगान कमांडर मतीन आगा घायल

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान प्रांत के दलबंदिन इलाके के माउंट तरन में हुए धमाके में अफगानिस्तान सेना के पूर्व कमांडर मतीन आगा गंभीर रूप से घायल हो गए। इस धमाके में अफगान सेना के दो पूर्व जवान भी मारे गए। पत्रकार बहोत बलोच ने अस्पताल में इलाज करा रहे मतीन आगा और घटनास्थल की तस्वीरें शेयर कर इस खबर की पुष्टि की है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सरकार समर्थित हथियारबंद ग्रुप का एक अहम सदस्य शाहू भी धमाके में मारा गया। बलोचिस्तान में अफगान सेना के पूर्व जवानों की मौजूदगी पर चिंता जताई गई है। आरोप है कि पाकिस्तान सेना इनका इस्तेमाल बलोच नेशनल मुक़ाबले के खिलाफ करती है। बलोचिस्तान की आजादी की लड़ाई में सक्रिय हथियारबंद संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी के मुताबिक, खुजदार में शफोक मंगल के घर पर हुए हमले में अफगान सेना के पूर्व जवान भी मारे गए हैं। बलोच नेशनलिस्ट संगठन (बीवाईसी) और बलोचिस्तान नेशनल पार्टी समेत बलोचिस्तान असेंबली के सदस्यों ने भी बलोचिस्तान में अफगान सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों की मौजूदगी पर चिंता जताई है। इन पार्टियों का कहना है कि ये पूर्व कमांडर बलोचिस्तान में मिलिट्री ऑपरेशन और दूसरे अपराधों में पाकिस्तान की सेना के साथ मौजूद हैं। वहीं, पश्तो इलाकों में स्थानीय लोगों ने भी कहा है कि ये अफगान कमांडर दंगों, चोरी और दूसरे अपराधों में शामिल हैं। हालांकि, सरकारी स्तर पर उनको मौजूदगी को लेकर कोई साफ स्थिति नहीं है। बलोचिस्तान के पूर्व मंत्री और पाकिस्तान की सत्ताखंड पार्टी मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल रहमान ख़ैरान ने भी डेरा बुनाती और बरखान के सीमावर्ती इलाकों में अफगान सरकार के पूर्व कमांडरों की मौजूदगी की पुष्टि की है। भरोसेमंद सूत्रों ने पुष्टि कि पाकिस्तान की मिलिट्री एजेंसियां इन एक्स-सर्विसमैन को अफगान तालिबान के साथ-साथ बलोच नेशनल मूवमेंट के खिलाफ मिलिट्री तैयारियों में इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही हैं।

यूएस के राजदूत को झूठा कहने पर हंगामा, रोकना पड़ी कार्यवाही, संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका और वयूबा भिड़े

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में मंगलवार को अमेरिका और क्यूबा के प्रतिनिधियों के बीच तीखी झड़प हो गई। बहस इतनी ज्यादा बढ़ गई कि कुछ देर के लिए कार्यवाही को रोकना पड़ा। दरअसल, अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज़र पोडियम पर अपना संबोधन दे रहे थे तभी क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिज़ पारिला पोडियम पर पहुंचे और माइक पकड़कर अमेरिकी राजदूत को झुठा कहकर धमकाने लगे। इससे विवाद बढ़ा और हंगामा शुरू हो गया। जिसके चलते कुछ देर के लिए कार्यवाही रोकना पड़ी। यह घटनाक्रम क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा करने से जुड़े संयुक्त राष्ट्र महासभा के मतदान से ठीक पहले हुआ, जो आधुनिक समय के सबसे लंबे आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंधों में से एक है। पारिला ने आरोप लगाया कि अमेरिका अन्य देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे प्रतिबंधों की निंदा करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करें। उनके मुताबिक, हाल में ईधन आपूर्ति पर लगाई गई पाबंदियों को वापस की स्वास्थ्य व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे देश में शिशु मृत्यु दर दोगुनी हो गई है और लाखों क्यूबाई लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया है। वहीं, अपने संबोधन में राजदुत वॉल्ट्ज़र ने क्यूबा की सरकार को भ्रष्ट बताते हुए निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के नेता निजी द्वीपों पर रहते हैं और महंगी रोलेक्स घड़ियां पहनते हैं, जबकि देश की समस्याओं के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं। वॉल्ट्ज़र ने क्यूबा के दिवंगत नेता फिदेल कार्त्रो की एक तस्वीर भी दिखाई, जिसमें उनके हाथों में दो रोलेक्स घड़ियां थीं। उन्होंने दावा किया कि इन घड़ियों की कीमत एक औसत क्यूबाई नागरिक की 55 साल की कमाई के बराबर होगी। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति मिगेल डियाज-काब्रल पर भी ऐसी ही घड़ियां पहनने का आरोप लगाया। वॉल्ट्ज़र के संबोधन के दौरान ही पारिला अचानक उनके पोडियम के पास पहुंच गए और उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। इस पर वॉल्ट्ज़र ने उन्हें सख्त लहजे में पीछे हटने की चेतावनी दी। पारिला ने प्रक्रिया संबंधी आपत्ति उठाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के निर्णयों के उल्लंघन का दावा किया और नियम 71 का हवाला दिया। हालांकि, वॉल्ट्ज़र ने उनकी आपत्ति को यह कहकर खारिज कर दिया कि पारिला को केवल इसलिए परेशानी हो रही है क्योंकि उन्हें कड़वी सच्चाइयां पसंद नहीं आ रही हैं। तनाव बढ़ता देख वॉल्ट्ज़र ने महासभा के अध्यक्ष से अपील की कि क्यूबा के मंत्री को पोडियम से दूर किया जाए। उन्होंने कहा, यह व्यक्ति पोडियम से पीछे हटे। वह मुझे संयुक्त राज्य अमेरिका में उसी तरह डराने की कोशिश नहीं कर सकता, जैसे वह राजनीतिक कैदियों को डराने की कोशिश करता है। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधि हूँ। पीछे हट जाओ। पलटवार करते हुए पारिला ने फिर कहा, आप झूठे हैं।

केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने किया मानस राष्ट्रीय उद्यान का दौरा

बाक्सा (असम)। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने असम स्थित विश्व धरोहर स्थल मानस राष्ट्रीय उद्यान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता का आनंद लिया। साथ ही उन्होंने असम के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी चखा। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी दो दिवसीय दौरे पर 27 अक्टूबर को यहां पहुंचे थे। आज सुबह उन्होंने मानस उद्यान का भ्रमण किया। दौरे के दौरान मानस राष्ट्रीय उद्यान के मनमोहक प्राकृतिक वातावरण और विविध वन्यजीवों ने केंद्रीय मंत्री को आकर्षित किया। उन्होंने असम की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का भी अनुभव किया। इस अवसर पर सुरेश गोपी ने असम के पारंपरिक व्यंजन टेकेली पीठा का स्वाद लिया। चावल से तैयार किया जाने वाला यह पारंपरिक पकवान अपनी विशिष्ट बनावे की वधि के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही उन्होंने असम की प्रसिद्ध लाल चाय का भी आनंद लिया। मानस राष्ट्रीय उद्यान अपनी समृद्ध जैव विविधता, प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रसिद्ध है। यह उद्यान असम के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और वन्यजीव प्रेमियों तथा प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है।

कूनों में गोली के छरों से चीते की मौत की जांच के लिए केंद्र ने भेजी उच्चस्तरीय टीम

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के कूनों राष्ट्रीय उद्यान में 19 महीने के नर चीते की गोली के छरों से घायल होने के बाद मौत के मामले में केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय टीम भेजी है। टीम घटनास्थल और मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के साथ उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल करेगी। केंद्र ने मध्य प्रदेश वन विभाग के साथ समन्वय कर मामले में त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के वन महानिरीक्षक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) के अतिरिक्त निदेशक और क्षेत्रीय उपनिदेशक शामिल हैं। टीम राज्य सरकार की जांच में सहयोग करेगी। इसके साथ ही चीते की सुरक्षा के लिए लागू प्रोटोकॉल, निगरानी और संरक्षण उपायों की भी समीक्षा करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटना को रोका जा सके। मंत्रालय के अनुसार, चीता निरवा की संतान 19 महीने का नर चीता 25 अक्टूबर को कूनों राष्ट्रीय उद्यान के संरक्षित क्षेत्र से बाहर सुरेता के क्षेत्रीय वन क्षेत्र में घायल मिला था। उसी दिन उसे श्योपुर क्षेत्रीय वन प्रभाग से जबलपुर के पशु चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। वहां उसे गहन चिकित्सा और आपातकालीन सर्जरी की गई। सर्जरी के दौरान उसके शरीर से गोली के पांच छेद निकाले गए। बावजूद इसके 27 अक्टूबर को चीते की मौत हो गई। चिकित्सा जांच में गोली के छरों से कई आंतरिक चोटों की पुष्टि की गई है। मध्य प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए वन और पुलिस अधिकारियों को शामिल करते हुए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) का गठन पहले ही कर दिया है। वहीं, केंद्रीय टीम राज्य की जांच एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी। वह अपनी जांच के निष्कर्ष और सिफारिशें मंत्रालय को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे के निर्देश दिए जाएंगे।

देश

ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के रखखाव में पंचायतों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

एजेंसी. नई दिल्ली

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने बुधवार को ‘सुजल ग्राम संवाद’ का 12वां संस्करण आयोजित किया। इसमें ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव में ग्राम पंचायतों की भूमिका, जलस्रोतों के संरक्षण और उपयोगकर्तां शुल्क के माध्यम से व्यवस्था को ठिकाऊ बनाने पर जोर दिया गया। संवाद में पांच ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए। जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक केके मीणा की अध्यक्षता में आयोजित संवाद में राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक कमल किशोर सोअन और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मीणा ने कहा कि पंचायतों को जल सेवा आकलन के जरिए सेवाओं की नियमित समीक्षा



करनी चाहिए। उन्होंने 16वें वित्त आयोग के अनुदान का प्रभावी उपयोग करने और जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव के लिए उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने की व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले की घालियां ग्राम पंचायत ने बताया कि जल जीवन मिशन से पहले ग्रामीण बोरवेल और टैंकरो पर निर्भर थे, लेकिन अब पंचायत के सभी छह गांवों में नियमित जलापूर्ति हो रही है। महिलाओं को पानी की गुणवत्ता जांचने का

देता है, जिसका उपयोग जलापूर्ति व्यवस्था के रखरखाव में किया जाता है। नगालैंड के जुन्हेबोटे जिले की नाथा न्यू विलेज पंचायत ने बताया कि सभी घरों में नल कनेक्शन उपलब्ध हैं। समुदाय ने जल स्रोतों के संरक्षण के लिए जलप्रहरण क्षेत्र में पौधरोपण भी किया है।

समापन संबोधन में सोअन ने कहा कि पेयजल योजनाओं को लंबे समय तक प्रभावी बनाए रखने के लिए जल स्रोतों का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और जिला प्रशासन से वीबी-जी राम जी, वित्त आयोग के अनुदान और राज्य सरकार की योजनाओं के संसाधनों का समन्वित उपयोग करते हुए ग्राम पंचायत विकास योजनाओं के तहत जल संरक्षण, पारंपरिक जल निकायों के पुनर्जीवन और जलापूर्ति व्यवस्था के रखरखाव की कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया।

आजम खान से जुड़े जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

एजेंसी. नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान से जुड़े रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की जमीन और इमारतों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

कुर्क संपत्ति का मौजूदा बाजार मूल्य करीब 1,170 करोड़ रुपये आंका गया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की है। ईडी के अनुसार, विश्वविद्यालय का परिसर रामपुर के सिंहनखेड़ा गांव स्थित जौहर नगर में है। यह मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अधीन है। ट्रस्ट की स्थापना आजम खान ने की थी और वे विश्वविद्यालय के मानद



कुलाधिपति भी हैं। एजेंसी ने ट्रस्ट, आजम खान और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज मामले की जांच के आधार पर यह कार्रवाई की है। ईडी ने बताया कि रामपुर के अजीम नगर थाने में दर्ज 26 प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की गई थी। इनमें किसानों की कृषि भूमि जब्तन लेकर विश्वविद्यालय के लिए इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए थे। रामपुर जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट के अनुसार, सिंहनखेड़ा गांव में शत्रु संपत्ति के 45 भूखंडों,

मुंबई और गुजरात में 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी. नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल कार्यालय-I ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मुंबई और गुजरात में करीब 11 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई अपराध से अर्जित आय (पीओसी) का पता लगाने और उसके आगे किए गए हस्तांतरण तथा लेनगिरि की जांच के लिए की गई। ईडी के अनुसार, नविन गुरुनाथ चिचकर और अन्य आरोपितों ने एक स्थापित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की बिक्री से अपराध से अर्जित आय जुटाई। इसमें कोकीन, हार्डड्रोपोनिक गांजा, एलएसडी और गांजे से बने खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इन मादक पदार्थों की अधिकांश खेप भारत के बाहर से तस्करी के जरिए लाई जाती थी। ईडी ने बताया कि नविन चिचकर और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), मुंबई और नवी मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएससी) द्वारा दर्ज मामलों के आधार पर शुरू की गई। इन मामलों में मुंबई और नवी मुंबई में उच्च गुणवत्ता



◆ मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन की जांच

वाले हार्डड्रोपोनिक गांजे, कोकीन और बेहिसाब नकदी की बड़ी मात्रा जब्त की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि नविन चिचकर ने अपराध से अर्जित धन का एक हिस्सा क्रिप्टोकॉरेंसी में निवेश किया। यह धं पता चला कि मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम सीधे हवाला संचालक के पास जमा की जाती थी। बाद में हवाला संचालक नविन चिचकर के यूएसडीटी या आई बहत के रूप में भुगतान करते थे। तलाशी अभियान के दौरान ईडी ने कई आपत्तिजनक सामग्री, डिजिटल उपकरण और मादक पदार्थों की बिक्री से अर्जित धन के धनशोधन से जुड़े साक्ष्य बरामद किए।

आजम खान से जुड़े जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

जिनका क्षेत्रफल करीब 34 एकड़ है, पर भी विश्वविद्यालय के लिए अवैध कब्जे का आरोप था। एजेंसी के अनुसार, संबंधित जमीन का पट्टा रद्द होने के बाद गृह मंत्रालय के शत्रु संपत्ति अभिश्चक ने जिला प्रशासन के माध्यम से उसका कब्जा वापस ले लिया है।

जांच में ईडी ने पाया कि सरकारी कार्यों के लिए आवंटित धन विश्वविद्यालय के निर्माण में लगाया गया। सरकारी ठेके पाने वाले ठेकेदारों से धन ट्रस्ट को दान के रूप में वापस भेजे जाने का भी आरोप है। एजेंसी के अनुसार, एक कंपनी के प्रबंध निदेशक ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (पीब्ल्यूडी) के करीब 186 करोड़ रुपये के ठेकों में से 30 से 40 फीसदी राशि विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए सामग्री खरीदने में इस्तेमाल की गई। एक अन्य फर्म के साझेदारों ने आजम खान के प्रभाव में काम करने

कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ बुक प्राइज की लघु सूची में पांच पुस्तकें शामिल

एजेंसी. नई दिल्ली

न्यू ईंडिया फाउंडेशन (एनआईएफ) ने कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ बुक प्राइज 2026 के लिए पांच पुस्तकों की लघु सूची घोषित की है। वर्ष 2025 में प्रकाशित इन पुस्तकों में आधुनिक और सम्मकालीन भारत के इतिहास, संविधान निर्माण, स्वतंत्रता के बाद देश के विकास और एशिया के विभाजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। लघु सूची में राजनेताओं, राजनयिकों और हिंदुस्तानी संगीत से जुड़ी ऐतिहासिक शख्सियतों के जीवन पर आधारित पुस्तकें भी शामिल हैं। वर्ष 2026 के पुस्करक के लिए गठित निर्णायक मंडल में टाटा समूह और टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, राजनीति विज्ञानी नीरजा गोपाल जाहल, टाट्सीलींग के साझेदार राहुल माथन, किसान इतिहासकार जाह्नवी फालके, इतिहासकार श्रीनाथ



राघवन, भारत की पूर्व विदेश सचिव निरुपमा राव और उद्यमी मनीष सभरवाल शामिल थे।

निर्णायक मंडल की अध्यक्ष नीरजा गोपाल जायल ने लघु सूचं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कह कि पांचों पुस्तकें भारत को समझने के लिए गहन और कल्पनाशील कथेतर लेखन के महत्व को दर्शाते हैं। ये पुस्तकें देश के अनुभवों के महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाने में असाधारण हैं। लघु सूची में विद्वता और विषयों की व्यापकता धं उल्लेखनीय है।

◆ भाजपा ने घोषित किया औसदीवार ◆ एन. मुरुगन के इस्तीफे के बाद रिक्त सीट पर उपनुनाव के लिए 12 नवंबर को होगा मतदान

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए सामान्य स्थिति में 116 मतों का कोटा है। हालांकि, कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ऐसे में 229 विधायकों के आधार पर चुनावी गणित तय होगा और जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय किया जाएगा।

परिचय: हरदीप सिंह पुरी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व राजनयिक और लेखक हैं। उनका जन्म 15 फरवरी 1952 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने दिल्ली

गोंडा, बहराइच व बलरामपुर में मोबाइल नेटवर्क की जांच

एजेंसी. नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने उत्तर प्रदेश के गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता की जांच की। सितंबर में किए गए स्वतंत्र परीक्षण में गोंडा, बहराइच और बलरामपुर शहरों में रिलायंस जियो की औसत डाउनलोडिंग स्पीड सबसे अधिक दर्ज की गई। वहीं, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की डाउनलोडिंग स्पीड चारों कंपनियों के मुकाबले कम रही।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार ट्राई के भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय की निगरानी में 7 से 10 सितंबर तक ये परीक्षण किए गए। इसके तहत चारों शहरों में कुल 367.7 किलोमीटर की दूरी पर वाहन से नेटवर्क की जांच की गई। गोंडा और बलरामपुर में 2.7 किलोमीटर का पैदल परीक्षण भी हुआ। इसके अलावा प्रयागराज से गोंडा और



गोंडा से बहराइच के बीच 256 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता परखी गई। ईडी के परीक्षण में गोंडा में रिलायंस जियो की औसत डाउनलोडिंग स्पीड 167.44 मेगाबिट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) दर्ज की गई। एयरटेल की गति 94.98 एमबीपीएस, वोडाफोन आईडिया की 34.31 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 1.15 एमबीपीएस रही। बहराइच में जियो की डाउनलोड गति 146.74 एमबीपीएस, एयरटेल की 105.94 एमबीपीएस, वोडाफोन आईडिया की 41.12 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 7.30 एमबीपीएस दर्ज की गई।



करवा चौथ पर इस सरल विधि से करें पूजा

करवा चौथ एक शुभ हिंदू त्योहार है, जब विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। इस पावन दिन पर महिलाएं अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए कठोर उपवास का पालन सूर्योदय से चंद्रोदय तक करती हैं। ऐसा माना जाता है कि जो महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य प्राप्ति का वरदान मिलता है। साथ ही जीवन में खुशहाली आती है।

पूजन सामग्री

चंदन, शहद, धूप, माचिस, पुष्प (लाल और पीले), कच्चा दूध, शक्कर, शुद्ध घी, दही, मिठाई, गंगाजल, शुद्ध जल, कुंकू, अक्षत (चावल), सिंदूर, मेहदी, महावर, कंधा, बिंदी, चुनरी, चूड़ी, बिछुआ, मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन, दीपक, रुई, कपूर, गेहूं, शक्कर, हल्दी, पानी का लोटा, गोरी बनाने के लिए पीली मिट्टी, लकड़ी की चौकी, चलनी, आठ पुरियों की अटावरी, हलवा, दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, आदि।

पूजन विधि

करवा चौथ के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। फिर सरगी ग्रहण करें। इसके बाद निर्जला व्रत का संकल्प लें। फिर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें। मंदिर में शिव परिवार की विधिवत पूजा करें। उन्हें पुष्प, फल, मिठाई और मेवे आदि अर्पित करें। करवा चौथ की व्रत कथा का पाठ करें या सुनें। शाम के समय फिर से पूजा की तैयारी शुरू कर दें। एक पूजा थाली लें और उसमें फूल, फल, मिठाई, धूप-दीप, रोली आदि रखें। इसके पश्चात करवा लें और उसमें चावल भरकर उसे दक्षिणा के रूप में रख दें। चांद निकलने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें। फिर छत्री में जलता हुआ दीपक रखें और चंद्र दर्शन करें। इसके बाद उसी छत्री से अपने पति का मुख देखें। फिर पति के हाथों से पानी पीकर अपना व्रत खोलें। पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना करें। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। फिर पूजन में उपयोग की गई श्रृंगार की सामग्री और करवा को सास या किसी सुहागिन स्त्री को दे दें और उनका भी आशीर्वाद लें। अंत में सात्विक भोजन ग्रहण करें।



क्यों मनाया जाता है करवा चौथ, क्या है इसके पीछे की कहानी?

करवा चौथ का पर्व मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, सुरक्षा, और सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इसका धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व है, जो इसे एक विशेष और महत्वपूर्ण त्योहार बनाता है। करवा चौथ के व्रत से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं और कहानियां हैं, जो करवा चौथ व्रत का महत्व और इसे मनाने का कारण बताती हैं। करवा चौथ हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है। इस व्रत का धार्मिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पति-पत्नी के रिश्ते को और मजबूत बनाने में भी मदद करता है। करवा चौथ व्रत का व्रत पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना से किया जाता है। यह व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है। माना जाता है कि यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है। यह व्रत हिंदू धर्म की परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए यह व्रत भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। आइए जानते हैं कि करवा चौथ व्रत क्यों मनाया जाता है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

करवा चौथ के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व माना जाता है। साल 2026 में पूजा का शुभ समय शाम 5 बजकर 38 मिनट से 6 बजकर 56 मिनट तक बताया जा रहा है। इस दौरान महिलाएं करवा माता की पूजा कर सकती हैं।

कब चांद निकलेगा

करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा के दर्शन का विशेष महत्व होता है। पंचांग के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 को चंद्रोदय रात करीब 8 बजकर 17 मिनट पर होने की संभावना है। इसके बाद आप अपने व्रत का पारण कर सकती हैं।

क्यों मनाया जाता है करवा चौथ?

वीरवती की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्राचीन काल में वीरवती नाम की एक सुंदर और धर्मनिष्ठ राजकुमारी थीं। वह अपने सात भाइयों की

इकलौती बहन थीं। विवाह के बाद, वीरवती ने पहली बार अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। उसने दिनभर अन्न-जल ग्रहण नहीं किया और पूरी श्रद्धा के साथ व्रत का पालन किया। लेकिन दिन ढलते-ढलते भूख और प्यास के कारण वह अत्यधिक कमजोर हो गईं। वीरवती की यह दशा देखकर उसके भाई चिंतित हो गए। वे अपनी बहन की हालत देखकर दुखी हो गए और उसे व्रत तोड़ने के लिए मनाने लगे, लेकिन वीरवती ने कहा कि जब तक चंद्रमा उदित नहीं होता, वह व्रत नहीं तोड़ेंगी। वीरवती के भाइयों ने अपनी बहन की हालत देखकर एक उपाय सोचा। उन्होंने पेड़ की आड़ में छल से एक दर्पण का उपयोग करके नकली चंद्रमा बना दिया। भाइयों ने वीरवती से कहा कि चंद्रमा निकल आया है और उसे देखकर व्रत तोड़ लें। वीरवती ने वह नकली चंद्रमा देखकर व्रत तोड़ दिया और जल ग्रहण कर लिया। जैसे ही उसने व्रत तोड़ा, उसे यह सूचना मिली कि उसका पति गंभीर रूप से बीमार हो गया है। वीरवती को तुरंत आभास हुआ कि उसने चंद्रमा की पूजा किए बिना और सही समय से पहले व्रत तोड़ दिया, जिसके कारण यह अनहोनी हुई। वह अत्यधिक दुखी हुई और पश्चाताप करने लगीं। अपने पति की लंबी आयु के लिए वीरवती ने दृढ़ संकल्प किया और पूरी श्रद्धा के साथ करवा चौथ का व्रत फिर से रखा। उसकी भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर माता पार्वती ने उसे आशीर्वाद दिया और उसका पति स्वस्थ हो गया।



महाभारत काल से जुड़ी कथा

महाभारत में भी एक कहानी है जो करवा चौथ से जुड़ी हुई है। जब अर्जुन युद्ध करने नीलगिरी पर्वत पर गए थे, तो द्रौपदी बहुत चिंतित थीं। उन्होंने भगवान कृष्ण से अपने पति की सुरक्षा के लिए मार्गदर्शन मांगा। कृष्ण ने उन्हें करवा चौथ का व्रत रखने और शिव-पार्वती की पूजा करने की सलाह दी। द्रौपदी ने व्रत रखा, जिससे अर्जुन सुरक्षित रहे। कथाओं में इस कहानी को भी करवा चौथ से जोड़ कर देखा जाता है।

करवा और पति की कथा

तीसरी प्रसिद्ध कथा करवा नामक महिला की है, जो अपने पति के प्रति अत्यधिक समर्पित थीं। एक दिन जब उसका पति नदी में स्नान कर रहा था, तब एक मगरमच्छ ने उसे पकड़ लिया। करवा ने अपने पति की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प लिया और मगरमच्छ को एक सूती धागे से बांध दिया। फिर उसने यमराज से प्रार्थना की कि मगरमच्छ को दंड दें और उसके पति की रक्षा करें। यमराज करवा के समर्पण से प्रभावित हुए और मगरमच्छ को दंडित किया और उसके पति को दीर्घायु का आशीर्वाद दिया। इस तरह की और भी पौराणिक कथाएं हैं जिन्हें करवा चौथ के व्रत से जोड़कर देखा जाता है।

करवा चौथ व्रत का महत्व

करवा चौथ एक ऐसा त्योहार है जो विवाहित महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। यह त्योहार पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है। माना जाता है कि इस व्रत को रखने से पति की उम्र लंबी होती है। करवा चौथ का व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है। यह व्रत दोनों के बीच के बंधन को और मजबूत बनाता है। यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है। माना जाता है कि इस व्रत को रखने से महिलाएं सुखी और समृद्ध जीवन जीती हैं। करवा चौथ भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। यह त्योहार महिलाओं को एक साथ लाता है और उन्हें एक-दूसरे के साथ जुड़ने का मौका देता है।



सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ

सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ इस बार 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है।

करवा चौथ का पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस बार यह त्योहार 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन विवाहिताएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही अच्छे घर की कामना से अविवाहिताएं भी करवा चौथ का व्रत रखती हैं।

सार तो सभी का एक होता है-पति की दीर्घायु। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाती हैं, 16 श्रृंगार करती हैं एवं पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं। करवा चौथ व्रत विधि : करवा चौथ में लगने वाली आवश्यक पूजन सामग्री को एकत्र करें। व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- 'मम सुख सौभाग्य पुत्र-पौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये'।

पूरे दिन निर्जला रहें। दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा मांडें। इसे 'वर' कहते हैं। चित्रित करने की कला को 'करवा धरना' कहा जाता है। 8 पुरियों की अटावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं। पीली मिट्टी से गोरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिटाएं। गोरी को लकड़ी के आसन पर बिटाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गोरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गोरी का श्रृंगार करें। जल से भरा हुआ लोटा रखें। वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शकर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें। रोली से करवे पर स्वस्तिक बनाएं। गोरी-गणेश और चित्रित करवे की परंपरा अनुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना कर पढ़ें यह मंत्र - नमस्त्य शिवाय शर्वाय सौभाग्य संतति शुभा।

प्रयच्छ भवित्युक्तानां नारीणां हरवल्लभे। करवे पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवे पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दें दें। 13 दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें। रात्रि में चंद्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें। पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।



इन 6 विशेष नियमों के बिना अधूरा माना जाता है करवाचौथ व्रत

करवाचौथ का त्योहार इस साल 29 अक्टूबर को है। हिन्दू पंचांग के अनुसार करवाचौथ का पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवाचौथ पर सुहागिनें अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और विधि-विधान के साथ पूजा करके अपने विवाहित जीवन की खुशहाली के लिए प्रार्थना करती हैं। विभिन्नताओं से भरे इस देश में करवाचौथ व्रत मनाने के कई तरीके हैं। सभी लोग अपनी-अपनी परम्पराओं का निर्वाह करते हुए करवाचौथ के विभिन्न रीति-रिवाज और नियमों का अनुसरण करते हैं लेकिन करवाचौथ के कुछ विशेष नियम ऐसे हैं, जिन्हें हर व्रती महिलाओं को मानना चाहिए। आइए, जानते हैं करवाचौथ के व्रत के नियम।

निर्जला रखा जाता है व्रत

करवाचौथ व्रत में कई जगह सरगी का रिवाज है। सरगी सास बहुओं को देती है, जिसमें मेवे, फल, मिठाई, और श्रृंगार का सामान शामिल होता है। इसे सूर्योदय से पहले खाना होता है। इसके बाद रात्रि तक चंद्रदेव को अर्घ्य देने तक निर्जला व्रत का पालन करना होता है। अगर किसी महिला के परिवार में सरगी की

परम्परा नहीं है, तो भी कर कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि लगने के बाद कुछ खाने या पीने से परहेज करते हुए निर्जला व्रत का पालन करें।

इन 6 चीजों को श्रृंगार में जरूर करें शामिल

आप अपनी पसंद के अनुसार किसी भी रंग के कपड़े पहन सकते हैं और श्रृंगार कर सकते हैं लेकिन करवाचौथ पर विवाहित महिलाओं को श्रृंगार की 6 चीजों को धारण जरूर करना चाहिए। ये 6 श्रृंगार हैं- मेहंदी, सिंदूर, मंगलसूत्र, चूड़ियां, बिंदी और बिछिया। करवाचौथ के दिन इन चीजों को धारण करके विधि-विधान के साथ करवा माता की पूजा करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और वैवाहिक जीवन खुशहाल बनता है।

चांद देखकर ही खोलें व्रत

करवाचौथ का सबसे जरूरी और विशेष नियम है कि विधि-विधान के साथ पूजा करने के बाद रात्रि में चंद्रदेव की पूजा और उन्हें अर्घ्य जरूर दें। साथ ही करवाचौथ की कथा सुनने के साथ ही भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय, गणेश जी की पूजा भी जरूर

करनी चाहिए। इससे आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है और आप जीवन में तरक्की करते हैं। मिट्टी के करवे से देना चाहिए चंद्रदेव को अर्घ्य करवाचौथ के त्योहार में यह नियम भी विशेष है। करवाचौथ पर व्रती महिलाओं को चंद्रमा को मिट्टी के करवे से ही अर्घ्य देना चाहिए। मिट्टी का करवा शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि मिट्टी का करवा धरती तत्व का प्रतीक है। इस कारण से मिट्टी का करवा अर्घ्य देने के लिए विशेष माना जाता है।

विधि-विधान के साथ पूजा करके दान जरूर करें

करवाचौथ पर विधि-विधान के साथ पूजा करके दान को भी बहुत ही आवश्यक माना गया है। करवाचौथ का व्रत रखने वाली महिलाएं एक थाली में श्रृंगार का सामान चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर, शोशा, कंधी, रिबन और शगुन आदि अपनी विवाहित सास, जेठानी या फिर विवाहित वरिष्ठ महिला को दे सकती हैं।

पूर्व मुखी होकर करें

करवाचौथ व्रत की पूजा

करवाचौथ व्रत की विशेष पूजा की व्यवस्था के लिए मंदिर इस तरह से लगाना चाहिए कि पूजा करते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर रहे और पीठ पश्चिम दिशा में। इसका अर्थ यह है कि करवा माता का मंदिर भी पूर्व दिशा में स्थापित करें। करवाचौथ व्रत की पूजा या फिर किसी भी मांगलिक कार्य की पूजा को पूर्व दिशा की तरफ मुख करके ही करना चाहिए।

